पानी बचाओ, पैसा कमाओ योजना में लगभग 200 किसान शामिल, बाम्बीवाल गांव में 10 सम्मानित

जालंधर, 4 दिसंबर 2018: कृषि को बिजली के लिये प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटीई) योजना की 'पानी बचाओ, पैसा कमाओ' प्रायोगिक पहल के तहत अब तक कुल 205 किसानों को इसमें शामिल किया जा चुका है। इनमें से कुछ किसानों के बैंक खातों में बिजली बचत के लिये 4 रूपये प्रति किलोवाट घंटा (केडब्ल्यूएच) की दर से सीधे पैसा पहुंचने लगा है।

पंजाब सरकार का बिजली विभाग यह योजना कार्यान्वित कर रहा है, जिसके तहत किसानों को दो माह पर बनने वाले उनके बिजली के बिलों की अवधि के लिये निश्चित मात्रा में बिजली (केडब्ल्यूएच में) आवंटित की जाती है। व्यक्तिगत मीटरों से मापने के बाद निश्चित मात्रा से जितनी कम बिजली की खपत दर्ज होगी, उसका पैसा 4 रूपये प्रति केडब्ल्यूएच की दर से उन किसानों को वापस कर दिया जायेगा। किसानों को निर्धारित मात्रा से अधिक बिजली खर्च करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा और उन्हें कोई बिल भी जारी नहीं किया जायेगा।

इस योजना के तहत, किसानों को एसएमएस के माध्यम से उनकी बचत के बारे में प्रति दो माह में और उनकी बिजली खपत के बारे में प्रत्येक पखवाड़े सूचित किया जाएगा। राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेज दी जाएगी। पायलट परियोजना के तहत फीडरों को बिजली की आपूर्ति केवल दिन के समय की जाएगी और मौजूदा परिपाटी के अनुसार आपूर्ति जारी रहेगी। यदि फीडर के दायरे में आने वाले 80 प्रतिशत किसान इस योजना में शामिल होते हैं, तो उस विशेष फीडर को आपूर्ति का समय और दो घंटे तक बढाया जा सकता है।

द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी), आईटी पावर इंडिया (आईटीपीआई) और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) को लेकर गठित कार्यान्वयन सहायता सलाहकार (आईएसी) समूह, होशियारपुर और जालंधर जिलों के धनोवा, नवाजीपुर और बाम्बीवाल -1 पायलट फीडर में इस योजना को प्रायोगिक आधार पर लागू करने में सहायता कर रहा है।

पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने बाम्बीवाल -1 फीडर के तहत आने वाले बाम्बीवाल, कुकर पिंड, सोफी पिंड, अलादीनपुर और खुसरोपुर गांवों के किसानों को इस योजना के बारे में

जागरूक करने के लिये आज जालंधर कैंट-2 के बाम्बीवाल गांव के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे तक एक शिविर का आयोजन किया। शिविर में योजना में शामिल किये गये इस फीडर के किसानों में से 10 को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त अधीक्षण अभियन्ता, पीएसपीसीएल, जालंधर, श्री चेतन कुमार, ने कहा, "पानी बचाओ और यह बाद में आपको बचाएगा... मैं डीबीटीई में सक्रिय भागीदारी के लिए टेरी और पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं।"

टेरी के वरिष्ठ फेलो और वरिष्ठ निदेशक श्री अमित कुमार ने कहा, "डीबीटीई योजना पंजाब सरकार की प्रायोगिक स्तर पर एक प्रगतिशील पहल है। इसके तहत, हम नियमित रूप से गांवों में किसानों के लिये शिविर आयोजित करते हैं जो किसानों को विशेषज्ञों से बातचीत करने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे शिविरों से किसानों को खेती के आधुनिक तरीके और फसल विविधीकरण तकनीक, सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों और पानी और बिजली संरक्षण की सर्वोत्तम प्रणालियों को सीखने में मदद मिलती है। ये शिविर किसानों को आपस में एक दूसरे से सीखने को भी प्रोत्साहित करते हैं।"

इस प्रायोगिक परियोजना का उद्देश्य भूजल में गिरावट, बिजली की खपत में वृद्धि, और राज्य में बिजली सब्सिडी के बढ़ते राजकोषीय बोझ की आपस में जुड़ी इन चुनौतियों पर ध्यान देना और उनके समाधान उपलब्ध कराना है। इस प्रायोगिक परियोजना की स्थिति के अध्ययन के आधार पर इसे पूरे पंजाब में बड़े पैमाने पर लागू करने के लिये परिमार्जित किया जायेगा।

भूजल निकालने के लिए सस्ती बिजली ने पंजाब में कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में वृद्धि की है। हालांकि, बिना मीटर के सस्ती बिजली की आपूर्ति से बिजली और भूजल दोनों का समुचित उपयोग नहीं हुआ, जिसके कारण भूजल में गिरावट आई है। ऐसे में, कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही बिजली-भूजल और कृषि — इन तीनों क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देते हुए एक रणनीति विकसित करने और कार्यान्वित करने की बहुत जरूरत महसूस की गई।

टेरी के बारे में

द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) भारत और तीसरी दुनिया के देशों में सतत विकास के लिये शोधकार्यो के प्रति समर्पित एक प्रमुख विचारक मंडल (थिंक टैंक) है। वर्ष 1974 में स्थापित टेरी पर्यावरणीय नियमन और सतत विकास पर शोधकार्य, विचार विमर्श और विचारक नेतृत्व देने वाला एक प्रमुख संस्थान बन चुका है।

संस्थान उन विचारों को अमल में लाने को प्रतिबद्ध है जो जलवायु परिवर्तन की दिशा में कार्य करने को प्रेरित करते हैं।

अधिक जानकारी के लिये कृपया संपर्क करें :

टेरी :

आस्था मनोचा : 8447049011 | aastha.manocha@teri.res.in

एडेलमैन :

स्नेहा देव : 9958000706 | Sneha.Dev@edelman.com